आयोजन समिति

- संरक्षक - **डॉ अरविन्द गिरोलकर**, प्राचार्य
  शास. दू.ब.म. स्ना. महाविद्यालय, रायपुर,
  मो. : 98274 63200
- संयोजक - **डॉ. बी. पी. कश्यप**, अध्यक्ष, भूगोल विभाग
  मो. : 94242-31222
- सचिव - डॉ. शीला श्रीधर 94252 11559
- सह-सचिव - डॉ. के. रवि - 98279-37982
  डॉ. गीता राय 98261 66218
- कोषाध्यक्ष - डॉ. अरुण प्रकाश - 94242-04002
  डॉ. संजय कुमार - 98261-68313

सलाहकार समिति

प्रो. जयलक्ष्मी ठाकुर	कुलपति, बस्तर वि.वि. जगदलपुर
प्रो. अवधराम चन्द्राकर	कुलपति, पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त वि.वि. बिलासपुर
डॉ. पी.सी. अग्रवाल	पूर्व अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर. वि. वि. रायपुर
डॉ. एच. एस. गुप्ता	पूर्व अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर. वि. वि. रायपुर
डॉ. एम.पी. गुप्ता	पूर्व अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर. वि. वि. रायपुर
डॉ. जकिया तस्लीम खान	अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर वि.वि. रायपुर
डॉ. अनुसूईया बघेल	प्राध्यापक, भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर वि.वि. रायपुर
डॉ. जे.पी. शिवहरे	प्राचार्य शास. महा., बैकुण्ठपुर (कोरिया)
डॉ. टी. एल. वर्मा	प्राध्यापक, शास. छत्तीसगढ़ महा., रायपुर
डॉ. डी. डी. कश्यप	प्राध्यापक. शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर
डॉ. अनिल सिन्हा	वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर
डॉ. पी.एल. चन्द्राकर	वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक सी.एम.डी. महाविद्यालय बिलासपुर
प्रो. के.पी. तिवारी	सेवा निवृत प्राध्यापक

प्रमुख पर्यटन स्थल

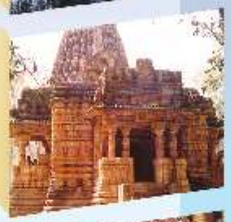

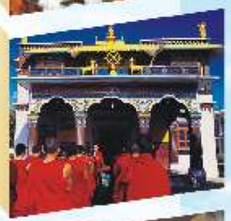

बस्तर प्रमुख स्थल चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कोटमसर गुफा, कैलाश गुफा, दण्डक गुफा, अरण्यक गुफा, बारसूर, दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ का दक्षिणी क्षेत्र ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है । यह जिला रायपुर से 300 किमी. की दूरी पर स्थित है एवं जलप्रपात, पर्वत श्रृंखलाओं, मनोहर घाटियों एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है ।

राजिम - रायपुर जिला मुख्यालय से 48 कि.मी. दक्षिण-पूर्व में महानदी, पैरी एवं सोंढूर नदी के संगम पर स्थित, छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाता है ।

चम्पारण्य - राजिम से 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित चंपारण्य वैष्णव सम्प्रदाय के प्रवर्तक वल्लभाचार्य की जन्म स्थली है ।

डोंगरगढ़ - पहाड़ पर स्थित माँ बमलेश्वरी का बड़ा मंदिर रायपुर से 101 कि.मी. की दूरी पर है ।

सिरपुर - यह प्राचीन ऐतिहासिक नगरी रायपुर से 102 किमी की दूरी पर स्थित है ।

तुरतुरिया - यह प्राकृतिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थल रायपुर से 99 एवं सिरपुर से 15 किमी दूर बलरिया ग्राम के समीप स्थित है ।

गिरौदपुरी - संत घासीदास जी का जन्म स्थल एवं सतनामी समाज का तीर्थ स्थान बिलासपुर से 80 किमी दूरी पर स्थित है ।

भोरमदेव - रायपुर से 131 किमी दूरी पर स्थित भोरमदेव को छत्तीसगढ़ का खजुराहो कहा जाता है ।

मैनपाट - सरगुजा के निकट मैनपाट एक हिल स्टेशन है एवं तिब्बतियों के मठों के लिए प्रसिद्ध है ।

कुनकुरी - रायगढ़-जशपुर मार्ग पर पत्थलगांव से 56 किमी दूर प्रसिद्ध कैथोलिक गिरजाघर है।

राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण - कांगेर घाटी, बारनवापारा, सीतानदी, अचानकमार, उदंती, गोमार्डा प्रमुख हैं ।

Book-Post

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

छत्तीसगढ़ में इको टूरिज्म : दशा एवं दिशा

दिनांक : 26-27 नवम्बर 2010

प्रति,
डॉ. / श्री / श्रीमती ____________________

____

____

____

प्रेषक
डॉ. बी. पी. कश्यप
संयोजक एवं विभागाध्यक्ष
शास. दू.ब. महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़) फोन / फैक्स : 0771-2229248
मो. : 94242-31222
E-mail : badriprasad.kashyap@gmail.com

राष्ट्रीय सेमीनार

26-27 नवम्बर 2010

ECO TOURISM IN CHHATTISGARH : STATUS AND PROSPECTS

छत्तीसगढ़ में इको टूरिज्म : दशा एवं दिशा

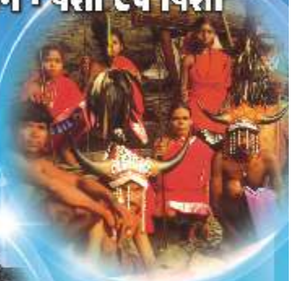

आयोजक

भूगोल विभाग

शास. दू. ब. महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़) दूरभाष : 0771-2229248

प्रायोजक :

Chhattisgarh
full of surprises

छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल, रायपुर

छत्तीसगढ़ : एक परिचय

प्राचीन काल से लेकर आज तक भारतीय संस्कृति विश्व की प्रमुख संस्कृति रही है । इसका कारण इसकी समृद्ध विरासत है । हमारा देश अनेक विशेषताओं एवं प्राकृतिक वैभव के कारण विश्व प्रसिद्ध है । यह प्राकृतिक सौन्दर्य हमेशा पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करता रहा है ।

भारत के मध्यपूर्व में स्थित छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है जो देश के विभिन्न बड़े शहरों से सड़क, रेलमार्ग एवं वायुमार्ग से जुड़ा हुआ है । सामाजिक सौहार्द्र एवं धार्मिक सहिष्णुता इस नगर की विशिष्टता है । छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, लोक कला विश्व प्रसिद्ध है ।

शास. दू. ब. म. स्ना. महाविद्यालय, रायपुर

महिला शिक्षा के क्षेत्र में यह महाविद्यालय प्रदेश का अग्रणी महाविद्यालय है । इस महाविद्यालय को नैक द्वारा B++ का दर्जा प्राप्त है । महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह-2008 में भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील का आगमन महाविद्यालय के लिये गौरव का विषय है ।

महाविद्यालय में परम्परागत पाठ्यक्रमों के साथ ही एड-ऑन पाठ्यक्रम एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम भी संचालित है । शिक्षा, कला, क्रीड़ा सभी क्षेत्रों में इस महाविद्यालय ने ऊंचाईयों को स्पर्श किया है । इस वर्ष यू.जी.सी. के द्वारा इस महाविद्यालय का चयन CPE *(College with Potential for Excellence)* के लिए हुआ है ।

विषय : प्रस्तावना / परिचय

प्राकृतिक स्थल, वन-वानिकी, जीव-जन और लोक-संस्कृति का सुन्दर समन्वय पर्यटन ही इको टूरिज्म है । छत्तीसगढ़ में 44 प्रतिशत भूमि वनाच्छादित है । छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सुषमा से भरपूर है । यहां पर्यटन के विकास के लिए पर्यटक, पर्यटन मंडल, बाजार विशेषज्ञ, योजनाकार, शोधार्थी, वित्तीय सलाहकार मिल जुलकर कार्य कर रहे हैं । इस हरित भूमि छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने तीन ट्रेक को इको टूरिज्म के लिए चिन्हित किया है - रायपुर-तुरतुरिया-सिरपुर, बिलासपुर - अचानकमार एवं जगदलपुर - कांगेर घाटी । भोरमदेव, मैनपाट, राजिम, चंपारण्य, चित्रकोट जलप्रपात यहां के विश्व प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हैं ।

शोध संगोष्ठी के बिन्दु :

- पर्यटन एवं पर्यावरण
- पर्यटन एवं प्रबंधन
- पर्यटन एवं लोक-कला संस्कृति
- पर्यटन एवं जन-सहभागिता
- छत्तीसगढ़ में पैकेज टूर
- इको टूरिज्म की सम्भावनाएं एवं समस्याएं
- ग्रामीण पर्यटन
- पुरातात्विक पर्यटन / ऐतिहासिक पर्यटन
- पर्यटन का सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक प्रभाव
- पर्यटन और रोजगार

शोध-पत्र आमंत्रण :

निर्धारित विषय एवं सहायक बिन्दुओं पर शोध पत्र आमंत्रित है । इच्छुक प्रतिभागी अपनी सहमति एवं शोध-पत्र सारांश ए-4 साइज के कागज पर टंकित कर, सी.डी. (कृतिदेव अथवा टाईम्स न्यूरोमन में हो) के साथ दिनांक 23.10.2010 तक अनिवार्य रूप से डाक द्वारा अध्यक्ष भूगोल विभाग के पते पर भेजें अथवा
sheela_shridhar64@yahoo.co.in
badriprasad.kashyap@gmail.com
aruprakash_669@yahoo.in
ई-मेल करें ।

पंजीयन शुल्क :

1. प्रतिभागी - 500/-
2. शोध छात्रा - 250/-

विलम्ब शुल्क :

1. प्रतिभागी - 700/-
2. शोध छात्र - 350/-

बैंक ड्राफ्ट डॉ. संजय कुमार के नाम पर प्रेषित करें.

सुविधाएं एवं यात्रा-व्यय :

शोध सेमीनार में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए भोजन एवं आवास-व्यवस्था महाविद्यालय द्वारा की जायेगी । द्वितीय श्रेणी का रेल अथवा बस किराया यात्रा भत्ता के रूप में देय होगा।

पंजीयन प्रपत्र

नाम : _____

पद :

संस्था : _____

पता :

दूरभाष : _____

मोबाईल : _____

ई-मेल : _____

आवास : हाँ / नहीं

प्रस्तुत किये जाने वाले शोध पत्र का शीर्षक :

_____

_____

स्थान : _____

दिनांक : _____ हस्ताक्षर